



॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

॥ नमो नाशरस ॥

Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD

Website : jainshikshan.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

११ ओगस्ट २०१९ – जैन शाळा - प्रश्न पेपर – गुण – १०० समय : २ से ५

Certificate Course Level 3

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न – १

(५०)

(क) पाठ पूर्ति कारो.

(२०)

१) सिव मच्चाबाह
(मक्खय, मयल, मणंत, मरुय)

२) वत्थ
(कंबल, पाढियारु, पडिग्गहं, पायपुच्छणेणं)

३) सदहामि..... अणुपालेमि
(फासेमि, पत्तियामि, पालेमि, रोअेमि)

४) संतिंच..... मुणिसुव्वयं
(वंदे, कुंधुं, वंदामि, मल्लिं अरंच)

५) चत्तारि मंगलंधम्मो मंगलं
(सिध्धामंगलं, अरिहंता मंगलं, केवली पन्नत्तो, साहू मंगलं)

६) बंधे वोच्छे अे
(अइभारे, वहे, भत्तपाण, छविच्छेअे)

७) इदठं धिच्चं
(मणामं, कंतं, मणुन्नं, पियं)

८) किणहलेसाअे सुक्कलेसाअे
(तेउलेसाअे, काउलेसाअे, पउमलेसाअे, नीललेसाअे)

९) चाउक्कालं अण्णडिलेहणाअे.
(भंडोवगरणस्स, अकरणयाअे, सजझायस्स, उभओकालं)

१०) अभिहया परियाविया
(लेसिया, संधट्टिया, वत्तिया, संधाइया)

१) जंवाईघं	सचित्त पाणी
२) दग	चोर ने मदद करी होय
३) न तीरियं	तथा
४) सुअे	सुत्र विरुद्ध कर्यु होय
५) तककरणओगे	करुं छुं
६) तह	श्रुतज्ञान ने विषे
७) करेमि	क्षमा करजो
८) उस्सुत्तो	जे सुत्रो आधा पाछा भणाया होय
९) खमणिज्जो	पार उतार्यु न होय
१०) जाव	ज्यां सुधी

ग) मागधी शब्द लखो.

(१०)

रहित कर्या होय तो, त्रण योग थी, कोईनी छानी वात उघाडी करवी, श्री पार्श्वनाथ स्वामी ने, अलग करुं छुं, दान आपी अहंकार कर्यो होय, दांत-हाडका-शींगडा वगेरे ना वेपार कर्यो होय, अप्रतिहत, आप मंगलरूप छो, जेमतेम निरर्थक बोलवुं

- १) तिविहेणं –
- २) पासं –
- ३) मच्छरियाअे –
- ४) अप्पडिहय –
- ५) मोहरिअे –
- ६) मंगलं –
- ७) दंत वाणिज्जे –
- ८) वोसिरामि –
- ९) रहसाभकरवाणे –
- १०) ववरोविया –

घ) नीचेना प्रश्नो ना जवाब लखो.

(१०)

- १) अणुव्रत अने महाव्रत नुं पालन जीवन मां कोण करे छे ?
- २) प्रतिक्रमण नी आज्ञा लेवानो पाठ कयो छे ?
- ३) इच्छामि रवमासमणो नो पाठ शा माटे बोलवामां आवे छे ?

४) ज्ञान अटले शुं ?

५) प्रतिक्रमण शेनुं करवामां आवे छे ?

६) प्रतिक्रमण नो दूंक मां सार बतावतो पाठ कयो छे ?

७) प्रतिक्रमण नुं बीजुं नाम शुं छे ?

८) गुणव्रत कोने कहे छे ?

९) इच्छामि रवमासमणो पाठ थी कराती वंदना ने शामाटे उत्कृष्ट वंदना कहे छे ?

१०) अकल्पनीय अटले शुं ?

प्र. २ क) खाली जग्या पूरो

(३०)

(१०)

१) प्रत्येक वनस्पति ना वृक्ष बोले करी शोभे छे. (१०, १२)

२) जीव ना कुल भेद छे. (५६५, ५६३)

३) चकमक नुं (संस्थान) आकार जेवुं छे. (मसूरनीदाळ, सोयना भारा)

४) जैनधर्म अे धर्म छे. (लोकोत्तर, लौकिक)

५) अने आत्मा नो स्वभाव छे. (ज्ञान, चारित्र, दर्शन, तप)

६) कंदमूळ न खावा थी नी दया नुं पालन थाय छे. (अनंताजीवो, असंखयाताजीवो)

७) राखी हुं माया नो नाश करीश. (सरळता. संतोष)

८) अने राग ना बे भाग छे. (क्रोध, लोभ, मान, माया)

ख) मने ओळखो हुं कोण छुं ?

(५)

१) मारामां जोवानी अने जाणवानी शक्ति छे.

२) वरसाद मां न नहावाथी मारी दया पळाय छे.

३) हुं हैयाभर चालुं छुं.

४) मारुं गोत्र वालुकाप्रभा छे.

५) मारा त्यागथी रसनेन्द्रिय उपर विजय थाय छे.

ग) साचु के खोटु लखो.

(५)

१) तीड चौरेन्द्रिय छे.

२) तेउकाय नो वर्ण पीळो छे.

३) जीवना मुख्य विभाग २ छे.

४) अपकाय नो जीव नीकळी ने सरसव ना दाणा जेवडी काया करे.

५) ज्यां कुंभार माटला ने पकाववा अग्नि करे, ते अरणी नो अग्नि.

घ) संख्या लखो.

(१०)

- १) अपकाय नुं उत्कृष्ट आयुष्य -
- २) पृथ्वीकाय नुं कुळ -
- ३) समूर्च्छिम मनुष्य नी उत्कृष्ट स्थिति -
- ४) बेइन्द्रिय नुं कुळ -
- ५) चौरेन्द्रिय नुं उत्कृष्ट आयुष्य -
- ६) वायुकाय नुं उत्कृष्ट आयुष्य -
- ७) तेउकाय नुं कुळ -
- ८) तिर्चय पंचेन्द्रिय ना भेद -
- ९) देव नी उत्कृष्ट स्थिति -
- १०) साधारण वनस्पतिकाय नुं उत्कृष्ट आयुष्य -

प्र. ३ नीचेना प्रश्नो ना जवाब लखो.

(१०)

क (कथा ना आधारे जोडका जोडी) नेम-राजुल

(४)

१) पिता	राजेमति
२) माता	श्री कृष्ण
३) भाई	समुद्रविजय
४) भगवान	रैवतक-गिरनार
५) काकाइ भाई	शिवादेवी
६) नगर	श्री नेमनाथ
७) पर्वत	शौर्यपुर
८) साध्वी	रहनेमि

ख) कोण कोने कहे छे ?

(६)

- १) शुं साचुं बोलवावाळा अे आलोचना करवी पडे.
- २) मारा अशुभ कर्म नुं फळ हुं भोगवी रहयो छुं.
- ३) आपणे तो आत्म वैभव ने मेळववा संत बन्या छीअे.
- ४) आज नो दिवस आपणा माटे परम कल्याणकारी छे.
- ५) खरेखर धिककार छे मने के नेमनाथ द्वारा हुं त्यागी देवामां आवी.
- ६) तमे तेमनी पासे जईने माफी मांगी लो.

प्रश्न ४) काव्य पूर्ति केरो.

(१०)

१) जीवडा जीव

..... धर्म सखायो थाय.

२) दीन कुर ने.....

..... शुभ स्रोत वहे.

३) त्रण जगत

..... दुःखो तणां.

४) में मुख ने

.....

.....

.....

..... चुकयो घणुं.

जय जिनेन्द्र